IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

जनजातियों में कुपोषित जनति स्वास्थ्य समस्याओं का भौगोलिक अध्ययन (सीधी जिले के कुसमी विकासखण्ड के विशेष संदर्भ में)

सुधा साकेत[1] and डॉ. के.एस. नेताम[2]
शोधार्थी, भूगोल विभाग, शास. संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी (म.प्र.)[1]
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग, शास. संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी (म.प्र.)[2]

शोध सारांश :

विश्व के अन्य राष्ट्रों की भांति हमारे प्रदेश में पोषण जनित तत्वों के क्षेत्रीय वितरण में समानता नहीं है। कुछ प्रदेश सम्पन्न तथा कुछ विपन्न हैं विपन्न जनसंख्या आहार की न्यून उपलब्धता के कारण कुपोशण का शिकार है तो सम्पन्न वर्ग अधिक पोषक तत्वों का प्रयोग कर रुग्ण रहते हैं। कुपोषण के कारण मानव का सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता है, जिसकी वजह से अनेकों शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का उदभव एवं विकास होने से मृत्यु दर में वृद्धि, जीवन प्रत्यासा में ह्रास (विशेषकर स्त्रियों एवं बच्चों में) कार्यक्षमता का प्रभावित होना, आदि घटनाएं सम्पूर्ण आर्थिक विकास की प्रक्रिया को इस शोध पत्र में हासिल करना है।

मुख्य शब्द :– जनजातियों, कुपोषित, जनति, स्वास्थ्य, समस्याओं, भौगोलिक,

संदर्भ स्रोत :

1. आर्य, सत्यदेव : आहार एवं पोषाहार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी जयपुर 1992 गोपालन, सीः भारतीय खाद्यों का पोषणमान, शिवा प्रकाश इंदौर, 1980
2. चोबे, केलाश : स्वास्थ्य भूगोल, हिल पब्लिसिंग कम्पनी नई दिल्ली, 1990
3. तिवारी, आर.एस. : आदि जनजाति बैंगा के स्वास्थ्य एवं पोषण आहार जबलपु आदिवासी पत्रिका 1993
4. तिवारी, शिवकुमार : जनजातियां समाज व्यवस्था, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ आकादमी भोपाल 1997